हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 3 फरवरी 2026

11 विद्यार्थियों ने लघु नाटिका से यातायात नियमों की पालना ...

12 नप का अतिक्रमण पर चला हथौड़ा चबूतरे ...

खबर संक्षेप

कारीतोखा में बालाजी का जागरण पांच को

बाढ़ड़ा। गांव कारी तोखा में बालाजी का जागरण व भंडारा आगामी पांच फरवरी को आयोजित होगा। संगठनों से जुड़े रामपाल ने बताया कि गांव कारीतोखा में हर वर्ष की भांति आगामी गुरुवार पांच फरवरी को विशाल भंडारे एवं जागरण का आयोजन होगा । जागरण व भंडारा सुबह 10 से प्रभु इच्छा तक चलेगा। गांव कारीतोखा के भक्तजनों ने सभी क्षेत्र वासियों से अपील की कि जागरण व भंडारे में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर पुण्य लाभ लें।

24 कृषि यंत्रों पर अनुदान आवेदन शुरू

चरखी दादरी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान एसएमएएम योजना के तहत 40 से 50 प्रतिशत अनुदान राशि के लिए आवेदन आमंत्रित किए है। योजना का लाभ लेने के लिए 16 फरवरी तक पॉर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा जितेंद्र अहलावत ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के बाद यदि आवेदन निदेशालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा आते हैं तो कृषि यंत्रो का चयन उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला कार्यकारी कमेटी द्वारा ड्रा के माध्यम से किया जायेगा। चयन होने के उपरांत किसान अनुदान पर लिया गया कृषि यंत्र पांच वर्षों तक नहीं बेच सकता है। किसान के पास रबी सीजन 2024 व खरीफ सीजन 2025 का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य हैं।

अंडरपास में भरे पानी के स्थायी समाधान की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

सालभर से परेशान 4 गांवों के लोग, आवागमन बाधित

किसान बोले- रेल विभाग के अधिकारियों, सांसद और उपायुक्त से कर चुके हैं शिकायत

गांव जाटू लोहारी, सूई, बलियाली,सुमड़ा खेड़ा व बड़सी के लोगों को खेतों तक पहुंचने में आ रही हैं दिक्कतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

भिवानी। अंडर पास में जमा पानी की निकासी की मांग को लेकर धरने पर बैठे और समस्या के समाधान की मांग को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते लोग।

हांसी- भिवानी रेलवे लाइन के अंडर पास में जमा पानी के स्थाई समाधान की मांग को लेकर चार गांवों के ग्रामीण गरजे। किसानों ने विरोधास्वरूप तहसीलदार के कार्यालय के बाहर सांकेतिक धरना दिया और तहसीलदार के माध्यम से रेलमंत्री को ज्ञापन भेजा।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने रेल मंत्रालय के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इस मामले लेकर रेल विभाग के आला अधिकारियों, सांसद, उपायुक्त को मांगपत्र सौंप चुके है,लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है,तो वे जल्द ही विभिन्न किसान संगठन व सामाजिक संगठनों के सदस्यों की बैठक बुलाकर आगे के आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। साथ में रेलवे की निर्माणाधीन दूसरी लाइन के पुलों के निर्माण को रोकने से संबंधित कदम उठाया जाएगा। गांव लोहारी जाटू से निकलने वाली रेल की लाइन पर दो जगह अंडरपास बने हैं। उनमें भूमिगत पानी जमा है। यह समस्या एक साल से बनी है। अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

धरने पर यह भी निणर्य लिया गया है कि अगर अब भी उनकी इस समस्या का समाधान नहीं होता वे जल्द ही किसान नेता व सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों की बैठक बुलाएंगे और इस मसले पर आगामी रणनीति तय करेंगे। किसान नेताओं ने बताय कि इस बैठक में यह भी फैसला लिया जाएगा कि अगर रेल मंत्रालय उनकी इस समस्या का समाधान नहीं करता वे सामाजिक संगठनो के सहयोग से अंडर पास के पास (जहां पर दूसरी रेलवे लाइन के लिए पुल बनाया जाना है) उस जगह पर अनिश्चितकालीन धरना देने का ऐलान करेंगे। जब तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं होता, तब तक वे उसी जगह पर धरने पर बैठे रहेंगे।

ओपन फाटक बनाने की मांग

गांव जाटू लोहारी, सूई, बलियाली,सुमड़ा खेड़ा व बड़सी के लोग सुबह तहसील कार्यालय पहुंचे और अंडर पास की जगह ओपन फाटक बनाए जाने या फिर अडरपास में जमा पानी के स्थाई समाधान की मांग को लेकर पूर्व पंच राजेंद्र की अध्यक्षता में धरने पर बैठ गए। वक्ताओं ने बताया कि हांसी-भिवानी रेलवे फाटक संख्या सी 60 व सी 62 की जगह अंडर पास बने हुए है। इन अंडरपासों में भूमिगत चार से पांच फुट तक पानी जमा है। इस पानी को निकाल दिया जाता है तो फिर से जमीन से अपने आप पानी फूट कर जमा हो जाता है। जिस वजह से सी 60 अंडर से पास से करीब तीन सौ किसानों के खेतों में आना जाना बंद हो गया है।

आस्था को पहुंची ठेस

अंडर पास के पास बाबा भौमिया का मंदिर भी है। हर साल यहां पर मेले का भी आयोजन होता है,लेकिन इस बार रास्ता न होने की वजह से मेले का आयोजन नहीं हो पाया। जिस वजह से लोगों की आस्था को भी ठेस पहुंची है। सी 62 अंडर पास से जाटू लोहारी से बलियाली व सुमड़ा खेड़ा के साथ सम्पर्क बनता है लेकिन जलभराव की वजह से इन गांवों के लोगों को बवानीखेड़ा होकर बलियाली व सुमड़ा खेड़ा पहुंचना पड़ रहा है।

जिला प्रशासन के पास भेजेंगे समस्या

जाटू लोहारी सहित चार गांवों के ग्रामीणों ने उनके माध्यम से रेल मंत्री के लिए ज्ञापन सौंपा है। वे कल ही रेलमंत्री को ज्ञापन भेजेंगे। उन्होंने बताया कि वे अंडरपास में जमा पानी की समस्या की सूचना जिला प्रशासन के पास भी भेजेंगे।

-**सुरेश कुमार** नायब तहसीलदार बवानीखेड़ा

धरने पर ये रहे मौजूद

इस मौके पर अखिल भारतीय किसान सभा, सर्व कर्मचारी संघ, रिटायर्ड कर्मचारी संघ,हरियाणा जागृति मोर्चा के अलावा विधायक अर्जुन चौटाला, सुनील लाम्बा ने धरना स्थल पर पहुंच कर अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू,रामकिशन काजल, किसान सभा के राजेश कूंगड,रामौतार बलियाली,राजेंद्र जाटू लोहारी, पंच लव कुश, पंच कुलदीप(सोनू),धर्मपाल, नेपाल तंवर,जयभगवान जांगड़ा, अजमेर जांगड़ा,जितेंद्र गौरी, सुरेंद्र कौर,रामफल देशवाल, प्रताप सिंहमार के अलावा उक्त गांवों से अनेक लोग शामिल हुए।

किसानों के लिए सुविधा

कुरुक्षेत्र पशु मेले के लिए रोज चलेंगी चार निःशुल्क बसें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- कुरुक्षेत्र में छह से आठ फरवरी तक आयोजित होगी प्रदेश स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी
- प्रदर्शनी में 53 विभिन्न श्रेणियों में होंगी स्पर्धाएं

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा वर्ष 2026 की राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का भव्य आयोजन छह से आठ फरवरी तक कुरुक्षेत्र में आयोजित हेगा। प्रदर्शनी में प्रदेश भर से करीब 1500 उत्कृष्ट नस्ल के पशु भाग लेंगे। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पशुपालकों को उन्नत नस्लों, आधुनिक पशुपालन तकनीकों और विभागीय योजनाओं से अवगत कराना है। जिला भिवानी से भी पशु पालक अपने उत्तम नस्ल के पशुओं को साथ लेकर प्रदर्शनी में जाएंगे।

राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी के बारे और अधिक जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डा. रविन्द्र सहरावत ने बताया कि राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। उन्होंने बताया कि पशुपालकों की सुविधा के लिये विभाग ने भिवानी जिले से प्रतिदिन चार निःशुल्क बसों की व्यवस्था की है। पशुपालन एंव डेयरी विभाग के महानिदेशक डा. प्रेम सिंह के निर्देशानुसार पशुओं के चयन के लिये प्रत्येक जिले मे तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। उन्होंने बताया कि इस पशु प्रदर्शनी में शामिल होने के लिये पशुपालक अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क कर सकते हैं।

150 उत्तम नस्ल के पशु

इस राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी में कुल 53 कैटेगरी के पशुओं को शामिल किया गया है और लगभग 50 हजार से अधिक पशुपालकों और आम लोगों के पहुंचने की संभावना है। जिले से लगभग 150 उत्तम नस्ल के पशु भाग लेंगे। कुरूक्षेत्र में तीन दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में करीब 53 विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर 600 चयनित पशुओं को नगद पुरस्कार राशी प्रदान की जाएंगी। मेले में लगभग तीन हजार पशुओं के भाग लेने की उम्मीद है, जिसमें लोगो को करोड़ों रुपयों की कीमत का पशुधन देखने को मिलेगा।

रोज जाएंगी तीन बसें

चरखी दादरी। जिले के किसान एवं पशुपालक बिना किसी शुल्क के राज्य पशुधन प्रदर्शन को देख सकेंगे। आगामी 6 से 8 फरवरी तक कुरूक्षेत्र में होने वाले इस आयोजन में हर रोज तीन बसें जाएंगी, जिसमें प्रदर्शनी देखने के लिए कोई भी निःशुल्क जा सकता है। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. जसवंत जून ने बताया कि 6 से 8 फरवरी तक कुरूक्षेत्र में राज्य पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी में विजेता पशुओं के मालिकों को लाखों रुपये के इनाम मिलेंगे।

नेत्रहीन विद्यार्थियों सहित दिव्यांगों के लिए कंप्यूटर सत्र का शुभारंभ

आस्था स्पेशल स्कूल में श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बाबा जहरगिरी आश्रम के श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी के अवतरण दिवस पर आस्था स्पेशल स्कूल में अनूठी पहल की। इस अवसर पर संस्था में नए सत्र से कंप्यूटर का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुदेव के अवतरण दिवस पर हवन डालकर की गई, जिसके पश्चात सहभोज किया।

पहला कंप्यूटर सेंटर

संस्था की प्राचार्य एवं संचालिका एडवोकेट सुमन शर्मा ने बताया कि आस्था स्पेशल स्कूल में प्रारंभ किया कंप्यूटर सत्र हरियाणा प्रदेश में अपनी तरह का पहला कंप्यूटर सेंटर है, जो नेत्रहीन बच्चों सहित सभी प्रकार के दिव्यांगजनों के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। यह कंप्यूटर कोर्स एनआईआईटी दिल्ली द्वारा प्रमाणित होगा तथा सफल प्रशिक्षण के उपरांत विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे, जो सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में मान्य होंगे। एडवोकेट सुमन शर्मा ने कहा कि संस्था का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉक्टर तरुण कुलश्रेष्ठ, अनूपा, पुष्पा, विशाल, घनश्याम, शुभम व खुशी सहित दिव्यांग बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

तोशाम। सेवानिवृत होकर लौटे जवान का स्वागत करते हुए।

सेवानिवृत्ति पर लौटे जवान का तिरंगा यात्रा से किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

करीबन 16 वर्ष तक देश सेवा में लगे गांव सरल निवासी सोमबीर का सेवानिवृत्त होने के उपरांत सोमवार को अपने गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान सालों तक देश सेवा करने के पश्चात अपने घर लौटे सोमबीर के भव्य स्वागत से अन्य युवाओं को भी देश सेवा की प्रेरणा मिली। उल्लेखनीय है कि गांव सरल निवासी सोमबीर सुपुत्र ओमप्रकाश के अंदर बचपन से ही आर्मी में जाने की ललक थी और उस ललक को उन्होंने 4 मार्च 2009 को हकीकत बनाया और 2009 से लेकर 31 जनवरी 2026 तक भारत माता की सेवा करके पुण्य कार्य किया और अपनी मातृभूमि की रक्षा की। अपने करीबन 16 साल के कार्यकाल के दौरान सोमबीर ने स्पेशल फोर्स पैराकमांडो, स्पेशल फोर्स एनएसजी कमांडो में अपनी सेवाएं दी।

स्पेशल ऑपरेशन में लिया था हिस्सा

सोमबीर ने सँझवान जम्मू में हुए स्पेशल ऑपरेशन में भी हिस्सा लिया था, साथ ही 76 देशों के साथ सांझा युद्धाभ्यास किया उसमें भी इन्होंने अपना कौशल दिखाया। साथ ही टर्की में आए भूकंप में ये टर्की यात्रा पर गए वहां पर भी सोमवीर भारत माता का सिर ऊंचा करके आए। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा निकालकर उनका स्वागत किया।

एग्री स्टैक फार्मर आईडी पंजीकरण में दादरी जिला तीसरे स्थान पर: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

- बिना फार्मर आईडी के नहीं मिल पाएगा कृषि योजनाओं का लाभ

एग्री स्टैक के तहत फार्मर आईडी बनाने के मामले में दादरी जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर आ गया है। जिले के लगभग 60 हजार किसानों में से अभी तक 47 हजार 99 किसानों की आईडी बनाई जा चुकी हैं।

इन दिनों प्रदेश में एग्री स्टैक के तहत किसानों की आईडी बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिले में भी कृषि विभाग की ओर से इस कार्य को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। जिले में अभी तक कुल 47 हजार 99 किसानों की आईडी बनाई जा चुकी है, जो पूरे प्रदेश में किसी भी जिला द्वारा बनाई गई आईडी में तीसरे स्थान पर हैं। इस कार्य में रेवाडी पहले और महेन्द्रगढ़ दूसरे स्थान पर है। एग्री स्टैक फार्मर आईडी किसानों के लिए बेहद उपयोगी है। इसके माध्यम से उन्हें सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं, सब्सिडी, बीमा, ऋण और अन्य लाभ सीधे व पारदर्शी तरीके से मिल सकेंगे। फिलहाल जिला में लगभग 13 हजार किसानों की आईडी बनाने का कार्य बाकी है।

सामाजिक और धार्मिक आयोजन भाईचारे और समरसता को देते हैं बढ़ावा: सुंदर अत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने संत रविदास जी के जीवन और उनके सामाजिक संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारे, समरसता और युवा वर्ग में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने बवानी खेड़ा स्थित संत गुरु रविदास मंदिर में आयोजित समारों में भक्तों को संबोधित करते हुए ये उद्गार प्रकट किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में व विशिष्ट अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं में समाजसेवी ओमप्रकाश बुवानीवाला, समिति के अध्यक्ष संतलाल, पार्षद प्रतिनिधि विनोद कुमार, राजेश सिंधू, विमल सिंधू, पार्षद सुभाष चंद्र, पार्षद बलराम गुज्जर, पार्षद प्रतिनिधियों में सुरेंद्र कुमार, जोगेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, पूर्व पार्षद गजेंद्र कौशिक,राजेंद्र कुमार, पूर्व नगर पालिका प्रधान रमेश काजल, वरिष्ठ प्रबुद्धजनों में रामकिशन काजल, ओमप्रकाश क्लोरिया, मास्टर रामधन, मास्टर संजय काजल, रमेश कुमार, पूर्व समिति प्रधान रोशनलाल आदि ने शिरकत की। आयोजकों द्वारा उनका फूलमालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं में भिन्न भिन्न गांव से भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य एवं भक्तजन मौजूद रहे।

गोशाला में 50 लाख से लगाई जाएंगी इंटरलॉकिंग टाइलें: विधायक

गोमाता के साथ-साथ जमीन को बचाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार गोवंश को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। तालु गोलोक धाम गोशाला में 50 लाख रुपये की धनराशि से इंटरलॉकिंग टाइलें लगाई जाएंगी। मां-बाप और गोसेवा से बढक़र कोई सेवा नही है। साधन संपन्न लोग गोशालाओं के संचालन में अधिक से अधिक सहयोग करें।

विधायक वाल्मीकि रविवार सांय गांव तालु स्थित गोलोक धाम गोशाला के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे खेतों में गाय की गोबर से बनी खाद का प्रयोग करें ताकि हमें खाने को जहर मुक्त अनाज मिल सके। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद्य पदार्थों के प्रयोग से जमीन भी जहरीली हो गई है। जहरीले खान-पान से हमारे खून पसीने की कमाई का पैसा मजबूरीवश बीमारियों पर खर्च करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें गोमाता के साथ-साथ जमीन को भी बचाना जरूरी है। इससे हमें शुद्घ चीजे खाने को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि गोवंश की रक्षा करना सनातन संस्कृति में परम धर्म माना गया है। गाय में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है, जिसको हर भारतीय माता का रूप मानते हैं। विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति को विश्व में अलग पहचान मिल रही है। इस दौरान विधायक ने गौ लोक धाम का निरीक्षण किया। गौधाम सेवा समिति ने विधायक को गांव की तरफ से सम्मान सूचक पगड़ी पहनाई।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गौशाला प्रधान रामफल, जयप्रकाश मास्टर, मास्टर मामन, सुरेश सरपंच, श्रीनिवास शर्मा, राजा पांचाल, रमेश ठेकेदार, वॉइस चेयरमैन दिलबाग, पूर्व सरपंच हीराचंद, दलवीर मान, नरेंद्र कुमार मान, पूर्व सरपंच राजवीर, दलवीर धनखड़, जगदीश तायल, हनुमान तायल, जोगेंद्र सिंह, आजाद ठेकेदार, विजय वाल्मीकि, धर्मपाल शर्मा, करतार बारला, रामवीर, रमेश प्रजापत, अजमेर पंघाल, राजकुमार पंघाल, सतीश कुमार, साधु राम, सत्येंद्र शर्मा, डॉ जसवंत सिंह, विजेंद्र पंघाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

इंतकाल-जमाबंदी में देरी से लोग परेशान एसडीएम से की त्वरित कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

- गोपी गांव के विजेन्द्र सिंह ने लिखित में शिकायत दर्ज करवाई

गांव गोपी में राजस्व रिकॉर्ड से जुड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। गाँव निवासी विजेन्द्र सिंह ने अपनी माता स्वर्गीय इन्द्रावती के निधन के कई माह बीत जाने के बावजूद इंतकाल व जमाबंदी दर्ज न होने पर उपमंडल अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। विजेन्द्र सिंह ने बताया कि उनकी माता का निधन 29 अक्तूबर 2025 को हो चुका है। इसके उपरांत उन्होंने नियमानुसार सभी आवश्यक दस्तावेज व प्रमाण-पत्र संबंधित राजस्व कार्यालय में दो बार जमा करवाए, लेकिन आज तक इंतकाल की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पष्ट सरकारी दिशा-निर्देशों के बावजूद संबंधित पटवारी व अन्य राजस्व कर्मियों की लापरवाही के कारण मामला लंबित पड़ा है। शिकायत में विजेन्द्र सिंह ने स्पष्ट से मांग की है कि वे अधिकारियों को निर्देश जारी कर गाँव गोपी की भूमि का इंतकाल व जमाबंदी शीघ्र दर्ज करवाएं।

छह माह से नहीं निकल रही जमाबंदी

शिकायतकर्ता ने प्रशासन से राजस्व मामलों में पारदर्शिता लाने और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले छह माह से गाँव की जमाबंदी ऑनलाइन उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे विभिन्न सरकारी व निजी कार्यों में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गाँव की जमाबंदी ऑनलाइन की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
3 फरवरी 2026

सहेली

जब मानव जीवन मिला है तो इसे मूल्यवान समझें। बेशकीमती जीवन व्यर्थ ना जाने दें। हम इस बात को समझें कि जीवन मिला है तो दुखों का अंधेरा छाएगा ही, इससे हताश-निराश ना हों। यह ना भूलें कि सुबह का उजियारा नई आशाएं लेकर आएगा, सफल जीवन की राह बनाएगा। इस राह में हमारी जीवनशैली कैसी हो, जिससे जिंदगी आसान और खूबसूरत बने, जानिए।

भरपूर जिएं और बनाएं अपनी जिंदगी खूबसूरत

कवर स्टोरी
प्रतिभा अग्निहोत्री

प्रसिद्ध लेखक पी. वी. अखिलन ने अपनी पुस्तक 'चित्रप्रिया' में एक जगह लिखा है, 'अपनी जिंदगी का हर पल खूबसूरत बनाने का प्रयास करें। यदि सुंदर न बना सके तो कम से कम जैसी है, वैसी तो रहने दें।' जी हां, जब ईश्वर ने हमें मानव जीवन दिया है तो इसे व्यर्थ की चिंताओं, परेशानियों, तनाव और परस्पर वैमनस्य में ना गंवाएं। जिंदगी को रोते-बिलखते जीने से क्या फायदा? हमें यह समझना चाहिए, जीवन कभी भी एक जैसा नहीं रहता। इसमें सुख-दुःख आते-जाते रहते हैं। इसलिए जब इस संसार में जन्म लिया है तो जीवन का भरपूर आनंद लेते हुए परेशानियों-संकटों का समझदारी से सामना करें, इससे उबरें, इन पर विजय हासिल करें।

तनाव से बनाएं दूरी: जब भी आप तनाव में हों, प्रकृति के बीच जाएं। किसी पार्क में जाकर वहां फूल-पत्तियों को देखें कि कैसे वे धूप, बारिश, सर्दी, आंधी-तूफान सहकर भी खिले रहते हैं, मुस्कुराते रहते हैं। कली से बने फूलों को प्रकृति कैसे एक नाजुक बच्चे की तरह अपनी सुरक्षा देती है। एक बार ध्यान से प्रकृति की हर कृति को देखें। यकीन मानिए, आप दंग रह जाएंगी कि किस प्रकार एक मां के आंचल की भांति प्रकृति ने कलियों से बने फूल, फिर फल की सुरक्षा की है।

हमेशा सकारात्मक रहें: परेशानियां हर किसी के जीवन में आती हैं। कुछ उनका सामना हंसकर करते हैं तो कुछ जरा-सी परेशानी में घबरा जाते हैं, परेशान हो जाते हैं। जीवन का नाम ही संघर्ष है, परंतु परेशानियों से घबराकर भागना, ठीक नहीं है। संसार में हर समस्या का समाधान है। बस धैर्य, साहस और समझदारी से काम लेने की आवश्यकता होती है।

मित्र बनाएं

अकेलापन कई बार डिप्रेशन, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों को जन्म देता है। अपनी कुछ सहेलियां अवश्य बनाएं। सुबह या शाम जब भी पार्क में टहलने जाएं, वहां आई महिलाओं से दोस्ती करें। इनसे कुछ अपनी कहें, कुछ उनकी सुनें। उनके साथ अपने सुख-दुःख साझा करें, इससे आपका मन हल्का होगा। आपको एक संबल मिलेगा।

छोटी-छोटी खुशियां सेलिब्रेट करें: जीवन चलने का नाम है। कभी परेशानियों का घना अंधेरा आपको घेर लेगा, तो कभी प्रातः उगे सूरज की किरणें नई आशाओं का संचार करेंगी। सुख और दुःख तो जीवन के दो पहलू हैं, इससे आपको प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है। सुख है तो दुःख भी आएगा, यह तो धूप-छांव का खेल है। आप धैर्य के साथ प्रत्येक स्थिति का सामना करें। सुख में बहुत अधिक खुश न हों, दुःख में बहुत अधिक दुःखी ना हों। जो भी आपके पास अच्छा है, उसे सहेजें और सोचें कि ये सब अन्य लोगों के पास कितना है। बहुत ज्यादा पाने की उत्कंठा ना पालें, जो भी आपके पास है, उसमें संतोष करें। यही सुखी जीवन का सूत्र है।

व्यस्त रहें-मस्त रहें: कहा जाता है 'व्यस्त रहें, मस्त रहें' क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। स्वयं को हर हाल में व्यस्त रखें। यदि आप वर्किंग हैं, ऑफिस के बाद कुछ समय आपके पास खाली रहता है तो उसमें अपने अधूरे शौकों को पूरा करें, जैसे म्यूजिक, डांसिंग, पेंटिंग या फिर राइटिंग जो भी आपकी पसंद का काम हो उसे करें और व्यस्त रहें। इससे आपको एक अलग ही खुशी मिलेगी, आप ऊर्जावान रहेंगी।

मन का करें: कई बार हम दूसरों को लेटेस्ट फैशन की ड्रेस पहने देखकर, डांस फ्लोर पर खुलकर डांस करते देखकर या बिंदास तरीके से जीते देखकर खुद भी वैसा जीवन जीने की सोचते हैं, लेकिन हमारे अंदर का संकोच ऐसा करने से रोक देता है। आपका जो भी करने का मन करे, खुलकर करें। हमेशा याद रखें, जो करना है, इसी जीवन में करना है। मन की अपनी किसी तमन्ना को मारे नहीं। लोग क्या कहेंगे, सोचकर अपनी ख्वाहिशों को दबाएं नहीं। अपनी जिंदगी अपने ढंग से जिएं, भरपूर जिएं और खुश रहें।

भूलना सीखें: कई बार किसी नाते-रिश्तेदार या मित्र-परिचित का व्यवहार मन को अंदर तक आहत कर देता है, इससे मन व्यथित हो उठता है। उस व्यवहार या बात को मन में पाले न रखें। जो हुआ, उसे भूल जाएं, मतलब 'बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि ले' के सिद्धांत पर चलें। इससे आपको मानसिक शांति तो मिलेगी ही, साथ ही सामने वाले के प्रति मन में बैठी कड़वाहट भी खत्म होगी और रिश्तों में फिर से मिठास घुलेगी।

जीवन को अनुभव करें: आप मनुष्य हैं, अपने इस मनुष्य जीवन को अनुभव करें। इस बात को मानें कि आप पृथ्वी पर जन्म लेने वाले समस्त प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ हैं। आपको ईश्वर ने पृथ्वी पर मनुष्य का 'महान जीवन' जीने के लिए भेजा है, इसे व्यर्थ के कार्यों में जाया ना करें। इसे परिवार, समाज, देश और मानव कल्याण में लगाएं। इस बारे में सीनियर काउंसलर कीर्ति वर्मा कहती हैं, 'जिंदगी एक बार मिली है, इसके हर रंग को हंसते-खेलते जिएं, पूरा आनंद उठाएं, आपको एक अलग तरह का सुकून मिलेगा, खुशी मिलेगी।'

जब हां कहने से बढ़े बोझ तब ना कहना है जरूरी

लोगों की मदद करना, कोई बुरी बात नहीं है। लेकिन जब लोग आपकी इस आदत का फायदा उठाते हुए आप पर कामों का बोझ डालने लगेंगे तो आपके पास अपने लिए समय नहीं रहेगा। लगातार काम करते हुए आप तनाव से घिर सकती हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए भी सही नहीं। इसलिए हर किसी के काम के लिए हां मत कहिए।

एडवाइस
अनीता जैन

हममें से कई लोग दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इस सोच के कारण हर काम के लिए 'हां' कह देते हैं। हमें लगता है, 'ना' कहने से सामने वाला बुरा मान जाएगा या हमें गलत समझेगा। लेकिन हर बार अपनी इच्छा और सुविधा को नजरअंदाज कर दूसरों की बात मानना, धीरे-धीरे हमारे मन, समय और आत्म-सम्मान को नुकसान पहुंचाने लगता है। इससे तनाव, थकावट और मन में असंतोष बढ़ता है। हमें इससे बचना चाहिए।

हर किसी की बात पूरी करना जरूरी नहीं: हमारा यह समझना जरूरी है कि आज के व्यस्त जीवन में हर किसी की बात को पूरा करना जरूरी नहीं है। यदि सामने वाले को हमारी मदद की सच में जरूरत है तो हम सहानुभूति के साथ 'हां' कह सकते हैं। लेकिन अगर उसकी जरूरत केवल औपचारिक या दबावपूर्ण है, तो विनम्रता और स्पष्टता से 'ना' कहना बेहतर है। सही समय पर समझदारी से 'ना' कहना हमारे जीवन में संतुलन और मानसिक शांति बनाए रखने में मदद करता है।

बार-बार 'हां' बढ़ाता है तनाव: हर बार दूसरों की बात मानना भले ही तुरंत ठीक लगे, लेकिन लंबे समय में यह आदत हमें मानसिक और शारीरिक रूप से थका देती है। ऑफिस में जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारी लेना, किसी रिश्ते में अपनी मर्जी के खिलाफ काम करना या सामाजिक आयोजनों में थकावट के बावजूद जाना, ये सभी बातें धीरे-धीरे हमारे भीतर चिड़चिड़ापन, असंतोष और तनाव पैदा करती हैं। ऐसे में खुद के लिए समय निकालना भी मुश्किल हो जाता है।

मना करना समझदारी भरा कदम: 'ना' कहना असभ्यता नहीं है, बल्कि यह एक समझदारी भरा कदम है। जब कोई काम हमारे समय, सुविधा या मानसिक स्थिति के अनुकूल न हो, तो उसे मना करना हमारी जिम्मेदारी है। ऐसा करना यह दिखाता है कि हम अपनी सीमाओं और जरूरतों को समझते हैं। साथ ही साथ यह दूसरों को भी सिखाता है कि हर बार आपसे 'हां' की उम्मीद न करें।

समय बचाने में मदद करता है 'ना': हम सबके पास समय सीमित है। अगर हम हर बात पर 'हां' कहेंगे, तो अपने जरूरी काम और आराम के लिए वक्त नहीं बचेगा। सोच-समझकर 'ना' कहने से हम अपनी ऊर्जा और ध्यान उन कामों में लगा सकते हैं, जो हमारे लिए वाकई जरूरी हैं। यह आदत हमें बेहतर समय प्रबंधन, मानसिक स्पष्टता और संतुलन देती है।

विनम्रता से कहें 'ना': कुछ लोग ना कहने में बहुत संकोच करते हैं। ऐसे लोगों के लिए जरूरी है वे अपने स्वभाव-व्यवहार में बदलाव लाएं। ऐसे लोग सबसे पहले अपनी प्राथमिकताएं तय करें। किसी काम का अनुरोध मानने से पहले सोचें कि क्या वह काम आपके समय या मानसिक स्थिति के अनुकूल है। अगर नहीं, तो विनम्रता से मना करना सही होगा। जैसे कहें, 'मैं आपकी बात समझती हूं, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए संभव नहीं है।' इससे रिश्तों में कटुता नहीं आती।

गिल्ट महसूस न करें: खुद के लिए सीमाएं तय करना कोई अपराध नहीं। 'ना' कहना, दरअसल आत्म-देखभाल का ही एक हिस्सा है, न कि असंवेदनशीलता।

तुरंत जवाब न दें: अगर किसी निर्णय को लेकर आप उलझन में हैं, तो समय लेकर सोचें। कहें, 'मैं इस पर सोचकर बताऊंगी।' यह आपको बिना दबाव के सही फैसला लेने में मदद करेगा।

सबको खुश करने की आदत छोड़ें: यह समझें कि आप हर किसी को खुश नहीं कर सकतीं। सीमाएं बनाना और उन्हें साफ तरीके से बताना आत्मबल की निशानी है।

हर साल फरवरी-मार्च में जैसे-जैसे बच्चों के फाइनल एग्जाम्स करीब आने लगते हैं, वैसे ही बच्चों ही नहीं उनके पैरेंट्स का भी तनाव बढ़ने लगता है। ऐसे में पैरेंट्स को बहुत समझदारी से बच्चों की केयर और गाइड करना चाहिए, जिससे बच्चा टेंशनफ्री होकर एग्जाम दे सके।

बच्चों की ही नहीं ये आपकी भी परीक्षा का समय है

प्रिपरेशन
मनोज अग्निहोत्री

अब से कुछ ही दिनों बाद बच्चों के फाइनल एग्जाम शुरू होने वाले हैं। इन दिनों कई घरों में बच्चों से अधिक उनके माता-पिता एग्जाम को लेकर तनाव में दिख रहे हैं। उन्हें हर समय यही चिंता लगी रहती है कि बच्चा सही ढंग से पढ़ाई कर पा रहा है या नहीं। अपनी इसी सोच के चलते, पैरेंट्स बच्चे को बार-बार टोकते हैं। इससे बच्चा बहुत ज्यादा स्ट्रेस में आ जाता है। पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता। ऐसे में अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यह समय बच्चों का सपोर्ट सिस्टम बनने का होता है, न कि आलोचक बनने का।

तुलना करेगी आहत: किसी बच्चे की अपने बच्चे से तुलना न करे। इस प्रकार की तुलनात्मक बातें बच्चे को मानसिक रूप से आहत और अपमानित करती हैं, क्योंकि जिस प्रकार अपनी रसोई में आपका काम करने का अपना तरीका होता है, उसी प्रकार हर बच्चे का भी अपनी पढ़ाई का एक तरीका, योग्यता और क्षमता होती है, वह उसी के अनुसार अपना अध्ययन करता है।

ताना न मारें: 'तुम कुछ नहीं कर सकते, भगवान जाने तुम्हारा क्या होगा?' 'हम तुम्हारी हर जरूरत को पूरा करते हैं और एक तुम हो कि इसके बदले में ढंग से पढ़ाई तक नहीं कर सकती हो।' ऐसे ताने या कटुवचन अपने बच्चे से बिल्कुल न बोलें। ध्यान रखिए, वर्तमान समय में अंकों की अधिकता किसी भी अच्छे स्कूल में एडमिशन होना सुनिश्चित नहीं करता और न ही एक कक्षा के अधिक मार्क्स से बच्चे का जीवन बनता-बिगड़ता है। हां इस प्रकार के वाक्यों से आप अपने और बच्चे के मध्य एक दूरी अवश्य बना लेते हैं।

भावनात्मक सपोर्ट दें

अकसर इन दिनों में बच्चे अपने कोर्स को लेकर घबरा जाते हैं, वे एग्जाम फोबिया से ग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए तो किसी लायक नहीं समझे जाएंगे। ऐसे में आपका दायित्व है कि आप उन्हें समझाएं कि उनके मार्क्स कम आएं या अधिक, आप हर हाल में उनके साथ हैं। समय निकालकर आप उनसे पढ़ाई के अलावा अन्य विषयों पर हल्की-फुल्की बातें करें, ताकि आप उनके मन की बातों को पढ़कर सही मार्गदर्शन दे सकें।

रखें स्वस्थ पारिवारिक माहौल: कई परिवारों में पति-पत्नी आपस में लड़ते-झगड़ते रहते हैं या फिर मेहमानों का आवागमन होता रहता है। ऐसे में बच्चे के लिए पढ़ाई कर पाना मुश्किल हो जाता है। इस समय आवश्यक है कि आप अपने बच्चे को घर में एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करें, ताकि वह बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई कर सके। घर के वातावरण को सरल और सहज रखें ताकि बच्चा भी परीक्षा को हौव्वा न समझकर, सहज प्रक्रिया समझे।

डाइट है बहुत महत्वपूर्ण: एग्जाम के दिनों में अपने बच्चे की डाइट का विशेष ध्यान रखें। उसे पौष्टिक भोजन दें। फास्ट फूड के स्थान पर ताजे फलों का जूस, मेवे और हरी सब्जियां खाने को दें।

मददगार बनें: जब परीक्षा एकदम सिर पर होती है तो कुछ बच्चे घबरा जाते हैं कि कैसे पढ़ें, पढ़ाई के क्या तरीके अपनाएं या फिर कैसे रिवीजन करें? ऐसे में बच्चों को स्वयं गाइड करें या किसी परिचित शिक्षक से मदद लेने को कहें।

(सीनियर साइकोलॉजिस्ट निधि तिवारी से की गई बातचीत पर आधारित)

जैसी हो आपकी स्किन टोन वैसा ही चुनें परफेक्ट लिपस्टिक शेड

मेकअप
ललिता गोयल

लिपस्टिक लगाना लगभग सभी महिलाओं को अच्छा लगता है। इससे उनकी फेस ब्यूटी निखर उठती है। लेकिन कुछ महिलाएं इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं कि उनकी स्किन टोन के अनुसार लिपस्टिक का कौन-सा शेड उन्हें सूट करेगा? स्किन टोन के अनुसार सही शेड की लिपस्टिक आपके लुक को बदल सकती है और पूरा लुक इंस्टेंट अपग्रेड हो जाता है। वहीं गलत शेड की लिपस्टिक से लुक निखरकर सामने नहीं आता क्योंकि जहां कुछ कलर लुक को डल दिखाते हैं, वहीं कुछ ज्यादा ही लाउड लगते हैं। जैसे अगर किसी का स्किन टोन मीडियम-फेयर है, तो उन पर काफी शेड्स अच्छे लगते हैं, लेकिन हर शेड उन पर नहीं जंचता। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए परफेक्ट लिप शेड को चुनें। ये जरूरी नहीं कि लिपस्टिक का हर कलर हर किसी को सूट करे। इसके लिए स्किन कॉम्प्लेक्शन पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं, स्किन टोन के हिसाब से कैसे किया जाए परफेक्ट लिपस्टिक शेड का सेलेक्शन।

फेयर स्किन टोन: अगर आपकी त्वचा गोरी रंगत वाली यानी आपका स्किन टोन फेयर है तो आपके लिप्स पर कोरल, वाइन रेड, लाइट पर्पल पीच, चेरी रेड या न्यूड पिंक शेड की लिपस्टिक बहुत अच्छी लगेंगी। फेयर स्किन टोन वाली महिलाएं, बोल्ड लुक के लिए मोव या मोका शेड भी ट्राई कर सकती हैं। लेकिन उन्हें डार्क पिंक, ब्लड रेड और बहुत ज्यादा शिमर या ग्लॉसी लुक वाले लिपस्टिक के शेड्स से बचना चाहिए।

व्हीटिश स्किन टोन: गेहुंआ रंगत यानी व्हीटिश स्किन टोन वाली महिलाओं को न्यूड शेड्स की लिपस्टिक लगाने से बचना चाहिए क्योंकि यह उनके चेहरे की रंगत को फीका कर सकते हैं। ऐसी स्किन टोन पर ब्राउन कलर के शेड्स परफेक्ट लगते हैं। इसके अलावा इस स्किन टोन वाली महिलाएं डार्क पिंक, ब्लड रेड, ब्रोज, राइप ऑरेंज, सिनामन कलर भी चुन सकती हैं। इन कलर के लिपस्टिक शेड्स चेहरे पर ताजगी और चमक लाते हैं। इसके साथ ही पूरे लुक को निखारते हैं।

डार्क स्किन टोन: अगर आपकी रंगत दबी हुई यानी सांवली (डार्क स्किन टोन) है तो आपको लिपस्टिक में मैट लिपस्टिक के ब्रिक रेड, ब्राउनिश रेड, कैरेमल कलर, कॉफी कलर ट्राय करने चाहिए। ये शेड उन्हें काफी सूट करते हैं। इस स्किन टोन वालों को ग्लॉसी लिपस्टिक से बचना चाहिए क्योंकि ये उनकी रंगत को और अधिक डार्क दिखाते हैं। अगर किसी का स्किन टोन ज्यादा डार्क है तो उन्हें ब्राउन, रेड, पर्पल कलर के शेड्स को चुनना चाहिए।

(मेकअप आर्टिस्ट रेनू महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस

अलग-अलग वजहों से महिलाओं में विभिन्न कैंसर हो सकते हैं। लेकिन अगर शुरुआती लक्षणों को पहचान लिया जाए, तो कैंसर का ट्रीटमेंट संभव है। वर्ल्ड कैंसर डे, 4 फरवरी पर विभिन्न तरह के कैंसरों के लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में जानिए।

रहें अवेयर-पहचानें लक्षण कैंसर से होगा बचाव

बीते कुछ वर्षों में महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, ओवेरियन कैंसर, एंडोमेट्रियल (यूटेरस) और कोलन कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि सही लाइफस्टाइल, बैलेंस्ड डाइट और समय-समय पर जांच से इन कैंसरों के रिस्क को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कैंसर के शुरुआती संकेत: महिलाओं में होने वाले अधिकतर कैंसर की पहचान शुरुआती लक्षणों से ही की जा सकती है। इस बारे में एक्शन कैंसर हॉस्पिटल, दिल्ली में डायरेक्टर-गायने ऑन्कोलॉजी, **डॉ. बुचुन कुमारी मिश्रा** बताती हैं, 'ब्रेस्ट कैंसर में स्तन में गांठ महसूस होना, स्तन के आकार या रंग में बदलाव, निप्पल का अंदर धंसना या निप्पल से किसी तरह का असामान्य डिस्चार्ज आना शुरुआती संकेत हो सकते हैं। वहीं सर्वाइकल कैंसर में पीरियड्स के अलावा बार-बार ब्लीडिंग होना, इंटरकोर्स के बाद रक्तस्राव या असामान्य वेजाइनल डिस्चार्ज को गंभीरता से लेना जरूरी है। ओवेरियन कैंसर के लक्षण अकसर सामान्य पेट की समस्या समझ लिए जाते हैं, जैसे लगातार पेट फूलना, निचले पेट में दर्द, जल्दी पेट भर जाना या बिना वजह वजन बढ़ना। इसी तरह एंडोमेट्रियल कैंसर में मेनोपॉज के बाद किसी भी तरह की ब्लीडिंग होना खतरे का संकेत माना जाता है। जबकि कोलन कैंसर में लंबे समय तक कब्ज रहना, स्टूल में खून आना, बार-बार थकान महसूस होना या खून की कमी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इनमें से किसी भी तरह के असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराना बेहद जरूरी है।'

लाइफस्टाइल हो सही: हेल्दी लाइफस्टाइल, कैंसर से बचाव का कारगर उपाय है। महिलाओं को रोजाना कम से कम 30 से 40 मिनट वॉक, योगाभ्यास या किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। वजन को कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही धूम्रपान और शराब से पूरी तरह दूरी बनाना चाहिए। हार्मोन से जुड़ी या गर्भनिरोधक दवाओं का लंबे समय तक बिना डॉक्टर की सलाह के सेवन से बचना चाहिए। यह हार्मफुल हो सकता है।

न्यूट्रिशस डाइट: महिलाओं को डाइट में हरी सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली, पत्ता गोभी जरूर शामिल करनी चाहिए। इसके साथ ही पपीता, सेब, अनार और बेरीज जैसे फल इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। दलिया, ओट्स और दालों जैसे फाइबर युक्त आहार पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं और कोलन कैंसर के खतरे को कम करते हैं। हल्दी, लहसुन और अदरक में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर को अंदर से सुरक्षित रखते हैं।

जरूरी टेस्ट: कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका रेग्युलर स्क्रीनिंग और समय पर जांच है, क्योंकि इससे बीमारी को शुरुआती स्टेज में ही पकड़ा जा सकता है। इस बारे में, रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर की कंसल्टेंट-गायने ऑन्कोलॉजी, **डॉ. सहाना पुन्नेशेट्टी** डिटेल में बताती हैं, ब्रेस्ट कैंसर को पहचानने के लिए 20 साल की उम्र के बाद हर महिला को महीने में एक बार सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन करना चाहिए, ताकि किसी भी तरह की गांठ या बदलाव को समय रहते पहचाना जा सके। वहीं 40 साल की उम्र के बाद डॉक्टर की सलाह से मैमोग्राफी कराना बेहद जरूरी हो जाता है। सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए 25 साल की उम्र के बाद नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराना चाहिए। वहीं कोलन कैंसर से बचाव के लिए स्टूल टेस्ट किया जाता है। एचपीवी वैक्सीन, सर्वाइकल कैंसर से बचाव में कारगर है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

खबर संक्षेप

सावधि ऋण योजना के लिए मांगे आवेदन

भिवानी। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनुसूचित जाति के परिवारों के स्वरोजगार के लिए अनेक ऋण योजनाएं चलाई जा रही हैं। निगम द्वारा सूक्ष्म वित्त योजना व सावधि ऋण योजना के लिए अनुसूचित जाति के परिवारों के लिए इन योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि नौ फरवरी है।

अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के जिला प्रबंधक कुलदीप सैनी ने ये जानकारी देते हुए बताया कि अनुसूचित जाति के परिवारों को आय उपार्जन/स्वयं के रोजगार के लिए सावधि ऋण योजना के माध्यम से दो लाख रुपए के ऋण और सूक्ष्म वित्त योजना के तहत एक लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ऋण लेने के लिए अनुसूचित जाति का कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 45 वर्ष है व सालाना आमदनी तीन लाख से कम होनी चाहिए।

बजट जन-विरोधी और राज्य-विरोधीः कामरेड

भिवानी। केंद्रीय वित्तमंत्री द्वारा संसद में पेश किया नौवां केंद्रीय बजट, मोदी सरकार की कुछ बड़े कारोबारी घरानों और अमीर और धनी लोगों के संकीर्ण हितों को बढ़ावा देने की बिना सोचे-समझे प्रतिबद्धता का स्पष्ट सबूत है, जो मेहनतकश लोगों और समाज के सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों, साथ ही बड़े राष्ट्रीय आर्थिक हितों की कीमत पर किया है, ये बात माकपा के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कही। उन्होंने कहा कि मंत्री निर्मला सीतारमण ने जिस राजकोषीय अनुशासन का श्रेय सरकार को दिया है, वह हमेशा कॉर्पोरेट सेक्टर और अमीरों को टैक्स में छूट देने का दूसरा तरीका रहा है। यह इस साल और अगले साल के बजट में राजस्व में भारी कमी और खर्च में कटौती के रूप में सामने आया है। कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि जो बजट पेश किया है, उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, आर्थिक असमानत दूर करने व निजि क्षेत्र लिए मांग पैदा करके विनिर्माण को बढ़ावा देने का कोई प्रावधान नहीं ।

अनुशासन सफलता का मुख्य पायदानः डॉ. उमेश

लोहारू। पूर्व प्राचार्य डॉ. उमेश मोहन ने कहा कि मेहनत और अनुशासन व्यक्ति के सफलता के मुख्य पायदान है। विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थी को अनुशासित होकर मेहनत करना चाहिए। वे सोमवार को सावित्रीबाई फुले राजकीय महिला महाविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस शिविर के समापन समारोह को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। डॉ. उमेश ने कहा कि विद्यार्थी जीवन सबसे अनमोल है तथा विद्यार्थियों को जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. निशा ने शिविर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थी को समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का पता चलता है तथा स्वयं सेवक के रूप में वह राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता है। इस मौके पर छात्राओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कार्यवाहक प्राचार्य और कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा।

छात्रों ने चारों युगों में श्रीहरि की लीलाओं का किया भावपूर्ण चित्रण

विद्यार्थियों ने लघु नाटिका के जरिये दी यातायात नियमों के पालन की सलाह

- वैश्य मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। द्वीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करते विधायक घनश्यामदास सर्राफ। वैश्य मॉडल स्कूल में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

वैश्य मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यतिथि विधायक एवं पूर्वमंत्री घनश्यामदास सर्राफ, शिव रतन गुप्ता, सुरेश गुप्ता, बृजलाल सर्राफ, सुंदरलाल अग्रवाल और प्राचार्या कमला गुरेजा आदि ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण करके किया। विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स, स्काउट्स व बैंड के विद्यार्थियों ने बैंड की मधुर धुन एवं करतल ध्वनि से अतिथियों का स्वागत किया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने अपने संबोधन में कहा कि स्वयं को इतना विकसित कीजिए कि आप जीवन में नित नई बुलंदियों को छूते रहें।

छात्रा मानवी गुप्ता को किया सम्मानित

आज वैश्य मॉडल स्कूल के विद्यार्थी न केवल भिवानी शहर, राज्य, राष्ट्र एवं विश्वभर में अपने परिवार व विद्यालय का नाम ऊंचा कर रहे हैं। महासचिव बृजलाल सर्राफ ने कहा कि विद्यालय आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतनी बुलंदियां हासिल करें कि हम सबको उन पर गर्व हो। प्राचार्या कमला गुरेजा ने प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कला संकाय में 12वीं की मानवी गुप्ता ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ जिलेभर में प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान बनाया, जिसकी उपलब्धि के लिए विद्यालय परिवार ने उसे 11000 का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अनेक रंगारंग एवं भव्य कार्यक्रमों का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

विद्यार्थियों ने नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना की शानदार प्रस्तुति से हुआ। देशभक्ति से परिपूर्ण कव्वाली ने उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। नृत्य नाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों ने मराठा एवं शिवाजी की संस्कृति का उत्कृष्ट मंचन किया। हरियाणवी लोकनृत्य की धमाकेदार प्रस्तुति से विद्यालय प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से मां काली द्वारा रक्तबीज-संहार का सजीव मंचन किया। राधा-कृष्ण के निश्छल प्रेम को दर्शाते हुए विद्यार्थियों ने एक शानदार नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। धर्म परायण और पतिव्रत धर्म का पालन करने वाली मां सीता के पृथ्वी में समाने का दृश्य विद्यार्थियों ने बखूबी अभिनीत किया। विद्यार्थियों ने चारों युगों में श्री हरि की लीलाओं का भावपूर्ण चित्रण कर सभी को भक्ति-भाव से विभोर कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों ने लघु नाटिका के माध्यम से साइबर अपराध से सचेत रहने व यातायात के नियमों का पालन करने की सलाह दी।

भिवानी। ओलंपियाड के लिए परीक्षा देते प्रतिभागी।

चार हजार से ज्यादा छात्रों ने दी ओलंपियाड परीक्षा

बच्चों ने दिखाया जबरदस्त उत्साहः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्राइवेट स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा द्वारा आयोजित शाइनिंग स्टार्स ओलंपियाड 2026 परीक्षा सोमवार को समापन हुई। ओलंपियाड के पहले दिन इंग्लिश और आगे के दिनों में इंग्लिश, मैथ और साइंस विषयों की परीक्षा हुई। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामावतार शर्मा ने बताया कि ओलंपियाड परीक्षा का पहला चरण जो स्कूल स्तरीय था, पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ। परीक्षा के आखरी दिन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने द आर्यन स्कूल, करियर प्लेनेट पब्लिक स्कूल, टीआईटी स्कूल, सैनिक हाई स्कूल समेत विभिन्न स्कूलों के सेंटर्स पर जाकर चेक किया और बच्चों से बात भी की। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान अमित डागर, जिला महासचिव कारण मिर्च, यतींद्रनाथ संजीव श्योराण, दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे। शर्मा ने बताया कि ओलंपियाड के दूसरे चरण की परीक्षा में विभिन्न प्राइवेट स्कूलों के दूसरी से दसवीं तक की कक्षाओं के चार हजार से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया। ओलंपियाड को लेकर बच्चों में बहुत उत्साह था और उन्होंने बहुत पॉजिटिव फीडबैक दी है। उन्होंने खुद बच्चों से बात की और पेपर्स के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने सभी पेपर्स का स्तर बहुत अच्छा बताया

प्रथम चरण समाप्त

प्रथम चरण समाप्त

परीक्षा के बारे में स्कूल प्रिंसिपल्स की भी यही फीडबैक थी। प्रथम चरण समाप्त होने के बाद, अब एसोसिएशन इस चरण के विजेता बच्चों के साथ दूसरे चरण जो कि जिला स्तरीय होगा का आयोजन करेगा और उसके बाद तीसरा चरण, जो कि राज स्तरीय होगा। शर्मा ने कहा कि एसो. समय-समय पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करता है।

उपायुक्त ने सुनीं जन समस्याएं

समस्याओं के समाधान के लिए धरातल पर करें कार्यः डीसी

- प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला और उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं समाधान शिविर : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। समाधान शिविर में समस्या सुनते उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल।

सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में डीसी डॉ. मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में समाधान शिविर आयोजित हुआ। शिविर में डीसी ने नागरिकों की समस्याओं को गौर से सुना और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अधिकारी नागरिकों की समस्याओं के समाधान को गंभीरता से कार्य करें। नागरिकों की बिजली, पानी और सीवरेज आदि मूलभूत संबंधित समस्याओं का समाधान करना अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी धरातल पर कार्य करें। सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला और उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य नागरिकों की समस्याएं सुन उनका समाधान करना होता है। समाधान शिविर नागरिकों के लिए कारगर साबित हो रहे हैं। शिविर में उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम योगेश सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुराने एनसीएफ 2005 से एनसीएफ- 2023 के बीच की बारीकियां बताई

लोहारू। ठुकराल पब्लिक स्कूल नई शिक्षा नीति के विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन ने विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। सीबीएसई के रिसोर्सपर्सन रोहतास सिंह और कुलदीप ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा स्कूल शिक्षा 2023 के आयामों को विस्तार से बताया। उन्होंने नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा के बारे में चर्चा की तथा पुराने एनसीएफ 2005 से एनसीएफ- 2023 के बीच की बारीकियों को समझाया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकों ने भी हिस्सा लिया। स्कूल निदेशक नरेश कुमार ठुकराल ने बताया कि सीबीएसई के निर्देशानुसार हर शिक्षक को 25 घंटे का प्रशिक्षण लेना आवश्यक है।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे गुरु रविदासः डॉ सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। गांव तिगड़ाना के सरपंच डॉक्टर सुरेंद्र दहिया को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए समिति के सदस्य। फोटोः हरिभूमि

गांव तिगड़ाना में बड़ी श्रद्धा व उत्साह से गुरु रविदास महाराज की जयंती मनाई गई। गुरु रविदास महाराज की 649वीं जयंती समता, समानता और मानवता आधारित विचारों को जन-जन तक पहचाने की उद्देश्य मनाई।

समारोह की शुरुआत तिगड़ाना के सरपंच डॉ सुरेंद्र दहिया ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर की। उनके साथ सोमबीर दहिया, मास्टर सतीश, डॉ उपेश दहिया, बनारसी दास, सुरेश नागपुरिया, सुरेश हांडा ,अजीत सरपंच, सुरेंद्र डबली ,व राज सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर डॉक्टर सुरेंद्र दहिया ने गुरु रविदास जी महाराज की शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की संत परंपरा में संत गुरु रविदास जी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे केवल एक संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। जिस समय समाज जाति भेद, ऊंच नीच,छुआ छूत और आर्थिक शोषण से ग्रस्त था, उसे समय गुरु महाराज ने बेगमपुरा नमक आदर्श समाज की परिकल्पना प्रस्तुत की। उसके बाद शोभायात्रा गांव तिगड़ाना की मुख्य गलियों से होती हुई मंदिर में पहुंची। संत रविदास भवन के प्रांगण में पूरे दिन भंडारे का आयोजन किया गया।

विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला है बजट : जयसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जयसिंह वाल्मीकि

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को व वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने देश की प्रगति का ब्लूप्रिंट करार दिया है। जयसिंह वाल्मीकि ने बजट की सराहना करते हुए इसे समाज के हर वर्ग गरीब, किसान, युवा और महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज बताया है। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट सबका साथ-सबका विकास के मंत्र को साकार करता है। वित्त मंत्री ने ना केवल आर्थिक विकास की गति को तेज करने वाले प्रावधान किए हैं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की भलाई को भी केंद्र में रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार उद्देश्य प्रत्येक जन का हित एवं उन्नति है तथा यह बजट उस उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में ठोस व मजबूत कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में शिक्षा और रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और ग्रामीण विकास सहित हर क्षेत्र का विशेष ध्यान रखा गया है।

धोखाधड़ी करने का दूसरा आरोपी पकड़ा

सात गांवों के 52 किसानों से 1.33 करोड़ में खरीदा था धान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखीदादरी

पुलिस ने सात गांवों के किसानों से 18 हजार क्विंटल धान खरीदकर उनके 1.33 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी ने किसानों को पैसे न देकर उनके धोखाधड़ी की। आरोपी की पहचान गांव खातीवास निवासी सोनू के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि 11 सितंबर 2025 को गांव कमोद निवासी सुरेंद्र ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में उसने बताया था कि गांव खातीवास निवासी चार लोगों ने नवंबर 2024 में सात गांवों के करीब 52 किसानों से 1.33 करोड़ रुपये का धान खरीदा था, लेकिन रुपये नहीं दिए। करीब छह महीने पहले हुई पंचायत में उन्होंने चार महीने के अंदर सभी के रुपये देने की बात कही थी, इसके बावजूद अब तक उन्होंने किसी को कोई रकम नहीं दी। जब वे लोग उनके घर रुपये लेने के लिए गए तो उनके घरवालों ने रुपये देने से मना कर दिया और गाली-गलौज की। शिकायत में बताया कि उक्त लोगों ने विश्वासघात कर रुपये नहीं देकर उन सभी के साथ धोखाधड़ी की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की।

रिमांड पर लिया

मामले में आरोपी संदीप उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं रविवार को बौंदकलां पुलिस थाने के एएसआई रविंद्र ने दूसरे आरोपी गांव खातीवास निवासी सोनू को गिरफ्तार किया। पूछताछ के लिए आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

कॉर्पोरेट्स के लिए सजाया दस्तावेज है बजटः कामरेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

केंद्रीय बजट 2026 के पेश होने के तुरंत बाद तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने बजट को जनविरोधी और फर्जी आंकड़ों का जाल करार देते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है।

कामरेड बासिया ने कहा कि बजट भाषण कोई आर्थिक रूपरेखा होने के बजाय शिक्षाशास्त्र का एक उपदेश मात्र बनकर रह गया है। कामरेड बासिया ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने वास्तविक आर्थिक संकटों को नजरअंदाज कर केवल अपनी पीठ थपथपाने के लिए शानदार प्रदर्शन का आत्म-प्रशंसापूर्ण दस्तावेज तैयार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा पूरी तरह भ्रामक है और अनुचित विश्लेषणात्मक पद्धति का सहारा लिया गया है।

भ्रामक शब्दों का प्रयोग

उन्होंने कहा कि बजट में जटिल और भ्रामक शब्दों का प्रयोग किया गया है, ताकि क्षेत्र-विशिष्ट आवंटन की स्पष्टता को छुपाया जा सके। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नाम पर बड़े व्यवसायों और कर चोरों को भारी रियायतें दी गई हैं, जबकि आम जनता के लिए ईज ऑफ लिविंग का कोई जिक्र नहीं है।

नारी संस्था ने बच्ची का जन्मदिन मनाया

सच्ची खुशी दूसरों के चेहरे पर मुस्कान देखने में: निशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। स्लम बस्ती में बच्ची का जन्मदिन मनाते सदी की नारी संस्था की पदाधिकारी।

समाज में खुशियां बांटने का कोई अवसर छोटा नहीं होता, बस इरादा नेक होना चाहिए। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए 21वीं सदी की नारी संस्था ने नया बस स्टैंड पर स्लम एरिया में छह वर्षीय मासूम बच्ची का जन्मदिन मनाकर मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। संस्था की अध्यक्षा निशा तंवर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में ना केवल केक काटा, बल्कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए उन्हें विशेष उपहार भी भेंट किए।

आमतौर पर स्लम एरिया के बच्चों के लिए जन्मदिन जैसे आयोजन एक सपने की तरह होते हैं। संस्था ने इस दूरी को पाटते हुए बस्ती के बीच जाकर केक काटा। इस दौरान मौजूद बच्चे और परिवार बेहद उत्साहित नजर आए। निशा तंवर ने स्वयं बच्ची को केक खिलाया और उसे उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

संस्था की अध्यक्षा निशा तंवर ने कहा कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा और उनके चेहरे पर मुस्कान देखने में है।

गांव-गांव पहुंचा सामाजिक समरसता का संदेश

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे गुरु रविदास : पवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

649वीं संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के पावन अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन ठाकुर ने भिवानी जिले के गांव फूलपुरा, मानेहरू, कायला, ढाणा लाडनपुर एवं देवसर में आयोजित विभिन्न जयंती कार्यक्रमों में सहभागिता कर श्रद्धापूर्वक गुरु रविदास जी को नमन किया। इस अवसर पर पवन ठाकुर ने कहा कि संत रविदास केवल एक संत नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच के विरुद्ध संघर्ष किया और समतामूलक समाज की कल्पना प्रस्तुत की। पवन ठाकुर ने युवाओं से आह्वान किया कि वे संत रविदास जी के विचारों को अपने जीवन में उतारें, शिक्षा, संगठन और संघर्ष के माध्यम से सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाएं।

जीवनभर वंचितों के सम्मान की लड़ाई लड़ी

उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सदैव संतों, महापुरुषों और वंचित वर्गों के सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ इस विचारधारा को आगे बढ़ाएगी। इन सभी कार्यक्रमों में पवन ठाकुर के साथ अतुल नागर, विक्की इढोरा, संजय भाटी, सुबे सिंह, कालू जांगड़ा, कुलदीप सहित अनेक युवा साथी मौजूद रहे। सभी युवाओं ने गांव-गांव जाकर जयंती कार्यक्रमों में भाग लेते हुए सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

भिवानी। खिलाड़ियों का परिचय लेकर मैच शुरू करवाते पूर्व मंत्री जेपी दलाल।

हरियाणा राज्य स्तरीय ग्रामीण हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

बौंद की टीम विजेता तो तिगड़ाना की टीम उपविजेता बनी

■ पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने दिया गांव में खेल नर्सरी और एस्ट्रो टर्फ लगवाने का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा राज्य स्तरीय ग्रामीण हॉकी खेल-एक पंचायत का भव्य आयोजन ग्राम तिगड़ाना में ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश की उत्कृष्ट टीमों ने भाग लिया और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बौंद की टीम ने, द्वितीय स्थान तिगड़ाना की टीम ने, तृतीय स्थान बापोड़ा की टीम ने तथा चतुर्थ स्थान मदीना रोहतक की टीम ने हासिल किया, जिन्हे क्रमशः 51 हजार, 31 हजार, 21 हजार व 11 हजार रूपये तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री जय प्रकाश दलाल एवं बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि उपस्थित रहे। खिलाडियों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है तथा तिगड़ाना गांव हॉकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर गांव में खेल नर्सरी और एस्ट्रो टर्फ लगवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ एक शारीरिक गतिविधि, नहीं सर्वांगीण विकास की अहम कड़ी है। जो युवा खेलों को अपनाते है, उनमे अनुशासन व टीम स्पिरिट की भावना आती है, जो कि उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। इस मौके पर विधायक कपूर वाल्मीकि ने तिगड़ाना खेल स्टेडियम में मिट्टी भरत करवाने का आश्वासन दिया।

ये रहे आयोजन समिति में

आयोजन समिति ने सम्मानित किया ठाकुर जनक सिंह, राजेश प्रधान, सुधीर राणा (संस्थापक किसान युवा संगठन), धीरज हवलदार, भीष्म बाला जी, अनुपाल, चांद सोनू, मोनू बाबा, अनुपाल तंवर, बंटी तंवर, पंकज छोटू, राजू फ़ौजी, सुरेंद्र सरपंच, सीताराम शर्मा (चेयरमैन), कृष्ण कुमार (जिला पार्षद) रहे। आयोजन समिति एवं निर्णायक मंडल वीरेंद्र प्रधान, रतिपाल पीटीआई, सुरेंद्र पंच, नेत्रपाल तंवर,जगन फ़ौजी, कैप्टन धर्मवीर सुंदर फ़ौजी, संजय यादव,फिशरी ऑफिसर विकास विक्की, परवीन सीआईडी, नवीन तंवर,विजेंदर कालू, भोमराज जैलदार, करनदीप, काला, प्रदीप सिंडू, मुकेश बाबा, पवन मास्टर, अजित फ़ौजी, चमन दीप, दीपक तंवर, प्रीतम, जयबीर पीटीआई, शमशेर डीपीई,अजय बांडा, कृष्ण टूली, अमन राणा, अमित कालू, आनंद दहिया, गौरी कोच, अंकित शर्मा, मोहित प्रजापत, गौरव शर्मा रहे। इस अवसर संदीप सरपंच घुसकानी, सतपाल पूर्व सरपंच घुसकानी,चुनमुन, पृथ्वी सिंह,सूरजपाल, मनोज मंजीता, जोगेंद्र कालू, हंसराज प्रधान,कर्मबीर तंवर, अजीत घुसकनी, दीपकला, राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक कन्या पाठशाला की लड़कियों ने सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों, खिलाडियों, अधिकारियों और ग्रामवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कोई न कोई खेल अवश्य खेलना चाहिए

इस अवसर पर आयोजन समिति सदस्य विनोद पिंकू ने बताया कि तिगड़ाना खेलों का हब बनता जा रहा है, प्रत्येक युवा को कोई न कोई खेल अवश्य खेलना चाहिए, खेलों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर किया जा सकता है, डीएसपी अनूप कुमार ने तिगड़ाना में युवाओं को नसे से दूर रहने का आहवान किया। इस मौके पर नगर परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि भवानी प्रताप, यातायात प्रबंधक भरत परमार, डीएसपी अनूप सिंह, सीआईडी इंस्पेक्टर सुनील कुमार, कृष्ण कुमार, मास्टर राजेश (बवानी खेड़ा), विनीत तंवर, देवेंद्र ने शिरकत की।

भिवानी। आयोजित प्रतियोगिता में हॉकी मैच खेलते हुए। फोटो : हरिभूमि

फिर से अतिक्रमण किया तो जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी

नप का अतिक्रमण पर चला हथौड़ा चबूतरे व नाली पर किए कब्जे तोड़े

एक दिन पहले नगर परिषद ने दिए थे नोटिस दुकानदारों ने नगर परिषद की कार्रवाई का विरोध किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। किरोड़ीमल मंदिर के पीछे सड़क पर अतिक्रमण हटाती जेसीबी तथा अवैध निर्माण हटाने के बाद मलबा हटाते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

सोमवार को किरोड़ीमल मंदिर के पीछे वाली सड़क के साथ किए गए अतिक्रमण पर नगरपरिषद का हथौडा चला। इस दौरान नप की टीम ने सड़क के साथ दोनों तरफ बनाए गए चबूतरें व नाली व नालों पर किए गए कब्जे को तोड़ा। अभियान के दौरान कुछ दुकानदारों ने इसका विरोध किया,लेकिन नप के दस्ते के आगे उनकी एक नहीं चली और अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहा। साथ ही दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि अगर फिर से अतिक्रमण किया तो उन पर जुर्माने के साथ साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं अतिक्रमण हटने के बाद वहां से गुजरने वाले लोगों ने राहत की सांस ली और भविष्य में इसी तरह से अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान चलाए जाने का आहवान किया।

दोपहर बाद नगरपरिषद का दस्ता जेसीबी मशीन लेकर किरोड़ीमल मंदिर के इलाके में पहुंचे। वहां पर दस्ते ने सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाना शुरू किया तो कुछ दुकानदारों ने इसका विरोध करना आरंभ कर दिया। दस्ते ने उनके विरोध को यह कह कर शांत कर दिया कि दो दिन पहले शहर थाना प्रभारी ने उक्त इलाके के दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह भी कहा था कि अगर नहीं हटाया तो कमेटी अपने आप अतिक्रमण हटाएगी। थाना प्रभारी की चेतावनी के बाद भी दुकानदारों ने अपने आप अतिक्रमण नहीं हटाया तो आज नगरपरिषद ने उक्त इलाके में अभियान चलाकर सारा अवैध कब्जे को हटा दिया।

शिकायत पर हुई कार्रवाई

बताते है कि उक्त इलाके में घरों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी। चूंकि दुकानदारों ने दुकानों के आगे से निकल रही नालियों पर सीढियां या फिर उन पर चबूतरे बना लिए थे। चबूतरों की वजह से नालियों की सफाई नहीं हो पा रही थी। सफाई न होने की वजह से घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर फैलने से राहगीरों के लिए नई समस्या खड़ी किए हुए था। हैरानी की बात यह है कि उक्त इलाके के लोग आए दिन नालों की सफाई की शिकायत तो करते थे,लेकिन अतिक्रमण हटाने की कोई भी जहमत नहीं उठा रहा था। आज नगरपरिषद ने शिकायतों के आधार पर उक्त इलाके में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया।

बाढ़ड़ा को आकांक्षी खंडों में अव्वल दर्जा दिलाने को सभी मिलकर प्रयास करें: विधायक

■ संपूर्णता अभियान का द्वितीय चरण शुरू

बाढ़ड़ा। आकांक्षी खंड कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का भव्य शुभारंभ खंड बाढ़ड़ा में किया। अभियान नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी खंड कार्यक्रम का महत्वपूर्ण चरण है, जिसका उद्देश्य चयनित खंडों में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में तेजी से सुधार लाना है। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारियों, विभागीय प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों तथा सहभागियों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्यतिथि विधायक उमेद पातुवास ने कस्बे के खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में आशीष सांगवान एसडीएम बाढ़ड़ा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अभियान का औपचारिक शुभारंभ करते हुए कहा कि खंड बाढड़ा को आकांक्षी खंडों में अव्वल दर्जा दिलाने के लिए सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों और समाज के हर वर्ग को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-आंदोलन है। इसकी सफलता जनभागीदारी पर निर्भर करती है। एसडीएम आशीष सांगवान ने कहा कि निर्धारित संकेतकों पर लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाकर नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि समयबद्ध और मापनीय परिणाम सुनिश्चित हों। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। कार्यक्रम के संयोजक मणिप्रकाश, एबीपी फैलो नीति आयोग ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

हेरोइन की सप्लाई करने के मामले में दो गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों को न्यायालय में पेश कर एक दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इन्हीं निर्देशों की पालना में सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने यह कार्रवाई की है। टीम ने थाना शहर भिवानी क्षेत्र से आरोपी प्रमोद पुत्र कृष्ण, निवासी गली नंबर-2, लाजपत नगर, भिवानी को गिरफ्तार किया था। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से 6.77 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई थी।

मनरेगा पर बजट में नई नीति नहीं ला पाना सरकार की विफलता: सोमवीर

बाढ़ड़ा। केन्द्र सरकार बार -बार श्रमिकों के हितों का दावा करती है लेकिन मौजूदा बजट में उनके हितों के लिए कोई घोषणा नहीं करना सरकार की विफलता है। ये बात पूर्व विधायक सोमवीर श्योराण ने कही। वे सोमवार को गांव ढाणी फौगाट, पातुवास, महराणा, टिकाण कलां, खेड़ी सनवाल, कपूरी आदि गावों में ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया से संचालित संवेधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। मनरेगा का नाम बदल कर इसको कमजोर कर श्रमिकों के सामने भुखमरी के हालात पैदा कर रही है।

सांग समाज को जोड़ने का काम करता: हनुमान

भिवानी। गांव बौंदकलां में बाबा चंद्रदास धाम में आयोजित मेले में सांगी दानसिंह को 32 पंवार खाप की तरफ से सम्मानित किया। धर्मबीर सिंह नागर ने गांव की तरफ से कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने कहा कि प्राचीन सभ्यता संस्कृति संगीत और संस्कारों की सांग पहचान है। सांग एक ऐसी विधा है जो समाज को जगाने और जोड़ने का काम करता है। उन्होंने बताया कि चिरकाल से सांग मनोरंजन के साथ-साथ राजाओं महाराजाओं के किससे कहानी पर आधारित ऐतिहासिक बातों से रूबरू करना उसी को सांग कहते हैं। हरियाणवी गायन शैली की ऐसी 40 विधा है, जिनके माध्यम से आम जनमानस में आपसी प्रेम भाईचारा बढ़ता हैं, क्योंकि कुछ सांग प्रेम मोहब्बत का संदेश देते हैं, वहीं कुछ सांग देश भक्ति और और मर्यादा पर चलने का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी प्राचीन सभ्यता संस्कृति संस्कारों से सुसज्जित संसार की संरचना का आज भी प्रभाव नजर आता है।

मेगा स्कॉलरशिप परीक्षा में 452 विद्यार्थियों ने लिया भाग

■ मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

बिरोहड़ स्थित एचडी स्कूल में शैक्षिक प्रोत्साहन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत मेगा स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया। परीक्षा में आसपास के विभिन्न सरकारी व निजी विद्यालयों के 452 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगी परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को 8 फरवरी को एचडी स्कूल बिरोहड़ परिसर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उपप्राचार्य नवीन सनसनवाल ने बताया कि मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने बताया कि मेगा स्कॉलरशिप टेस्ट विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच और शैक्षणिक समझ को परखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति अधिक जागरूक बनाती हैं। विद्यालय प्रबंधन का निरंतर प्रयास है कि आर्थिक या सामाजिक कारणों से किसी भी प्रतिभा का विकास बाधित न हो।

प्राचार्या नमिता दास ने कहा कि सभी विद्यार्थियों ने अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी। स्कॉलरशिप टेस्ट का परिणाम पांच फरवरी को प्रकाशित किया जाएगा।

भव्या गहलोत ने राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

भिवानी। गांव सुई की बेटी भव्या गहलोत ने महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में कराटे में अंडर-17 आयुवर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। खिलाड़ी भव्या गांव सुई के पूर्व सरपंच एवं कराटे कोच डॉ. प्रवीण गहलोत की पुत्री हैं और नौवीं की छात्रा हैं। भव्या लगभग सात साल से अपने पिता से कराटे खेल की बारीकियां सीख रही हैं। भव्या आज तक कराटे खेल में जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में लगभग 40 मेडल जीत चुकी हैं। भव्या को अपने बड़े भाई और मेंटर हर्षित गहलोत से हमेशा प्रेरणा मिलती है जो खुद कराटे के एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेकों मेडल जीत चुके हैं। भव्या लंबे समय से राजपूत धर्मशाला स्थित कराटे अकेडमी में अपने पिता से कराटे सीख रही है। उन्होंने बताया कि भिवानी पहुंचने पर पांच फरवरी को धर्मशाला में खिलाड़ी का स्वागत समारोह किया जाएगा।

12 को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे कर्मचारी

■ बैठक में सभी विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

आगामी 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने की तैयारी करते हुए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का जत्था सोमवार को पब्लिक हेल्थ तोशाम में पहुंचा। जहां पर सभी विभागों के सैकड़ो कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान मंच संचालन सचिव राजेश दूल्हेड़ी और अध्यक्षता प्रधान दिलबाग लांबा ने की। इस मौके पर मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्य उप-प्रधान जरनेल सिंह ने कहा कि बिजली अधिनियम 2024, नया श्रम कानून, नई शिक्षा नीति, नई परिवहन नीति व कर्मचारी, किसान, मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जाएगी। जिसमें सरकार की हठधर्मिता के खिलाफ पूरे देश के श्रमिक हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान उपस्थित कर्मचारियों को रतन जिंदल, सुखदर्शन सरोहा, अशोक गोयत, कुसुम मलिक, विनोद माजरा, संदीप सिहाग ने भी संबोधित किया। इस मौके पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ, सीटू, आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, बिजली विभाग, पब्लिक हेल्थ, पंचायत विभाग, पटवार संगठन, शिक्षा विभाग, हेमसा, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ सहित लगभग समस्त विभागों के अनेक कर्मचारी ने 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने का आह्वान किया।

प्रतियोगिता में हलवासिया ने जीता चल विजयोपहार

भिवानी। बाल सेवा आश्रम में लाला लाजपतराय की 161वीं जयंती पर अंतर विद्यालय कविता पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता में हलवासिया विद्या विहार की प्रतिभाशाली छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्रा साक्षी, प्रिया, दीप्ति एवं नंदिनी की शानदार प्रस्तुति के आधार पर चल विजयोपहार अपने नाम किया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा साक्षी ने भाषण में प्रथम स्थान व कक्षा सातवीं की छात्रा दीप्ति श्योराण ने कविता पाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रशासन ने सभी छात्राओं का विद्यालय पहुंचने पर सम्मान किया। प्रशासक डॉ. शमशेर सिंह अहलावत, प्राचार्य विमलेश आर्य एवं उपप्राचार्य दीपक वशिष्ठ ने छात्राओं को बधाई दी। इस मौके पर एलेग्जेंडर दास, अमरेंद्र कुमार व माध्यमिक विभाग प्रमुख सुवीरा गर्ग ने भी विजेता छात्राओं को बधाई दी।

छात्राओं को सूर्य नमस्कार और यौगिक क्रियाओं का करवाया गया अभ्यास

■ महिला महाविद्यालय झोझूकलां में योग शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

महिला महाविद्यालय झोझूकलां में हरियाणा योग विभाग व आयुष विभाग की ओर से योग शिविर का आयोजन किया। शिविर में आयुष विभाग की टीम से बिशन सिंह आर्य, मित्रसेन व प्रतिभा ने शिविर में छात्राओं को सूर्य नमस्कार व अन्य यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया। उन्होंने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि सूर्य नमस्कार की मुहिम हर वर्ष 12 जनवरी से शुरू होकर 12 फरवरी तक चलाई जाती है। इस बार यह अभियान स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को समर्पित है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. मन्जू सांगवान ने कहा कि योगाभ्यास केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि उत्कृष्ट जीवन जीने का साधन है। महाविद्यालय के प्रधान अधिवक्ता सुरेन्द्रपाल सिंह ने योग को अपने दैनिक दिनचर्या में अपनाने का संदेश दिया। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष रीतु ने प्रतिदिन सूर्यनमस्कार करने के लाभों के बारे में अवगत करवाया।

समस्या

पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने प्रशासन को घेरा

समाधान शिविर में गूंजा माइनरों की सफाई का मसला

■ समाधान शिविर में दी शिकायत, समाधान ना होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। तालू माइनर के पुल के पास जमी शिल्ट दिखाता पूर्व सरपंच तथा बिना सफाई के झाड़ियों से अटा एक माइनर।

आदर्श गांव तालू के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि एवं प्रखर समाजसेवी ईश्वर सिंह मान ने स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए गांव की दो गंभीर समस्याओं के समाधान की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि सिंचाई विभाग ने तालू माइनर की सफाई में और देरी की तो ग्रामीण बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। समाधान शिविर में सौंपे गए मांग पत्र में ईश्वर मान ने तालू माइनर (रजबाहे) की दयनीय स्थिति पर चिंता जताई है। उनके कहा कि गांव के पास करीब एक किलोमीटर के हिस्से में रजबाहे के अंदर सड़ा हुआ कीचड़ और बदबूदार पानी जमा है। वही सफाई ना होने के कारण पुराने वाटर वर्क्स (डिग्गी) तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे गांव में पीने के पानी की भारी किल्लत हो गई है। मान ने कहा कि गेहूं और सरसों की फसलों के लिए किसानों को सिंचाई का पानी भी नहीं मिल रहा है। मान ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही से गांव में घातक बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले यह कार्य मनरेगा के तहत सरपंचों द्वारा होता था, लेकिन अब सिंचाई विभाग की सुस्ती जनता पर भारी पड़ रही है। यदि शीघ्र सफाई नहीं हुई, तो वे ग्रामीणों के साथ मिलकर रजबाहे के अंदर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे। वही दूसरे ज्ञापन में ईश्वर मान ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को सार्थक करने के उद्देश्य से गांव की पीएचसी में प्रसूति सुविधाओं की मांग की है। ईश्वर मान ने कहा कि वर्तमान में गांव की गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए रात के समय करीब 30 किलोमीटर दूर भिवानी या अन्य शहरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। तालू पीएचसी में यह सुविधा शुरू होने से मुढाल खुर्द, मुढाल कलां, कुंगड़, भैणी जाटान, भैणी ठाकरान, जताई और बांडा हेड़ी जैसे गांवों की महिलाओं को घर के पास ही सुरक्षित प्रसव की सुविधा मिलेगी। मान ने प्रशासन को बताया कि पीएचसी की इमारत में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ के लिए रात में रुकने की पूरी व्यवस्था उपलब्ध है, बस प्रशासन की इच्छाशक्ति की कमी है। ईश्वर सिंह मान ने जिला प्रशासन और सीएमओ भिवानी से इन मांगों पर तुरंत संज्ञान लेकर मंजूरी प्रदान करने का आग्रह किया है, ताकि ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।